चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 19 सितंबर 2026, अंक –361.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

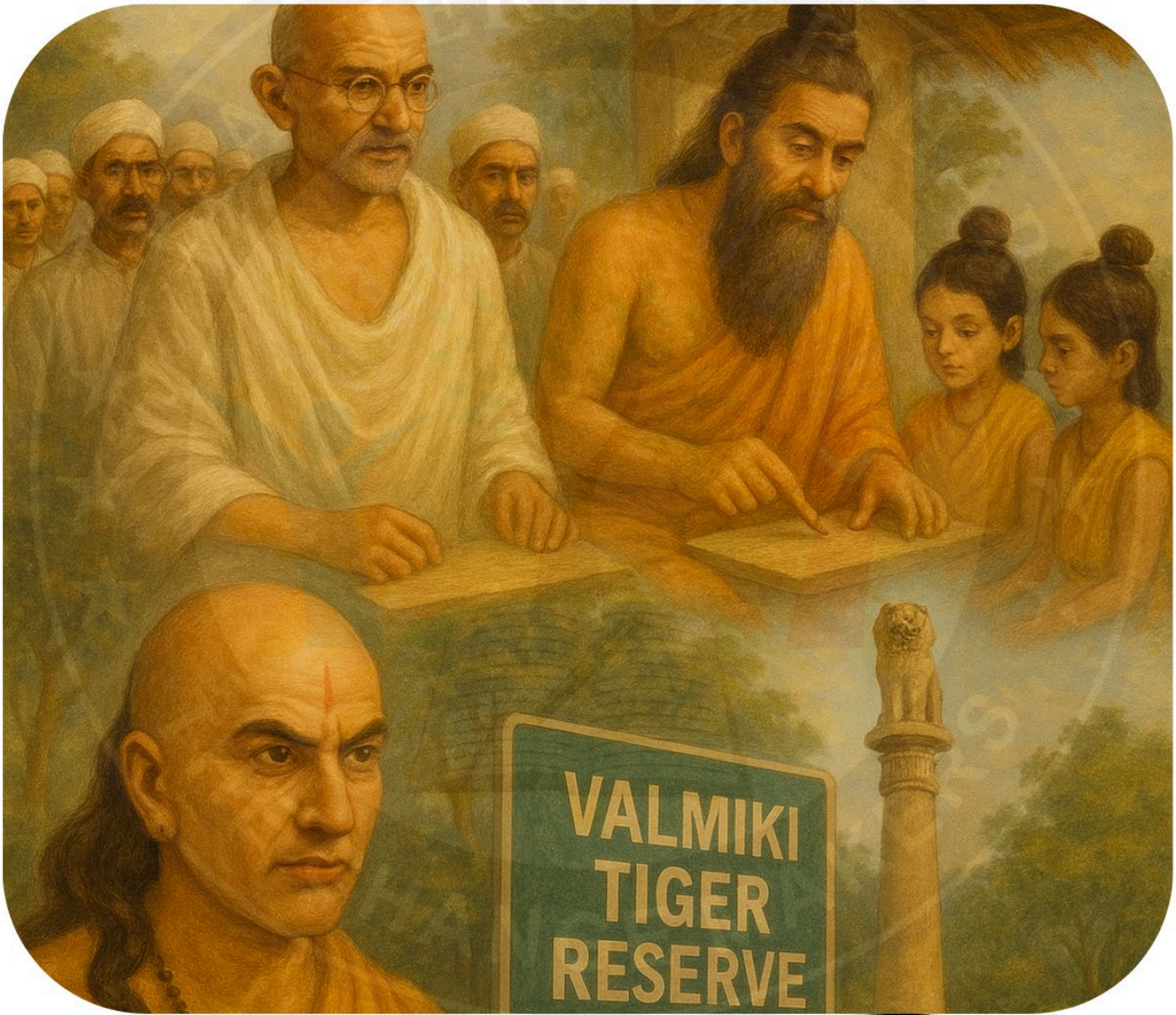

"ईश्वर सत्य है और सत्य ही ईश्वर है।"

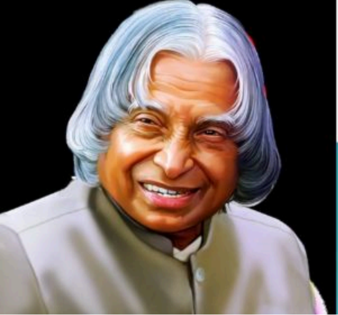

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ट्यूनीशिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: ट्यूनिस
प्रश्न 2. ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय कौन थीं?
उत्तर: भानु अथैया
प्रश्न 3. 'थेय्यम' किस राज्य की प्रसिद्ध पारंपरिक कला-नृत्य परंपरा है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 4. एक चतुर्भुज के सभी आंतरिक कोणों का योग कितना होता है?
उत्तर: 360°
प्रश्न 5. बिहार का 'किला मैदान' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: बक्सर
प्रश्न 6. पैंगोलिन के शरीर को किस चीज़ से बनी कठोर परतें ढकती हैं?
उत्तर: शल्क
प्रश्न 7. बारकोड के आविष्कार से किसका नाम जुड़ा है?
उत्तर: नॉर्मन वुडलैंड
प्रश्न 8. भारतीय संविधान का संरक्षक किसे कहा जाता है?
उत्तर: सर्वोच्च न्यायालय
प्रश्न 9. 'जो दूसरों का भला चाहता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: हितैषी
प्रश्न 10. भोजन करने से पहले हाथ धोने से मुख्य रूप से किससे बचाव में मदद मिलती है?
उत्तर: कीटाणु

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Doctor - डॉक्टर - चिकित्सक
2️⃣ Nurse - नर्स - परिचारिका / परिचारक
3️⃣ Engineer - इंजीनियर - अभियंता
4️⃣ Architect - आर्किटेक्ट - वास्तुकार
5️⃣ Lawyer - लॉयर - अधिवक्ता
6️⃣ Journalist - जर्नलिस्ट - पत्रकार
7️⃣ Scientist - साइंटिस्ट - वैज्ञानिक

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "You are not going to + V1"
(तुम/आप ... करने वाले नहीं हो/हैं।)
तुम आज मिठाई खाने वाले नहीं हो। – You are not going to eat sweets today.
तुम यह खिलौना तोड़ने वाले नहीं हो। – You are not going to break this toy.
तुम आज किसी से झगड़ने वाले नहीं हो। – You are not going to fight with anyone today.
तुम अपना समय बर्बाद करने वाले नहीं हो। – You are not going to waste your time.
तुम इस रास्ते से जाने वाले नहीं हो। – You are not going to take this road.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 19 सितंबर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) एवं वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की रोकथाम और समय पर एंटी-वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस (International Snakebite Awareness Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 19 सितंबर को 'अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस' (International Snakebite Awareness Day - ISBAD) मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 2017 में सर्पदंश को सर्वोच्च प्राथमिकता वाली 'उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी' (NTD) के रूप में वर्गीकृत किया था। भारत में विशेषकर ग्रामीण और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों (जैसे बिहार के तराई एवं मैदानी भाग) में सर्पदंश से प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती हैं। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य झाड़-फूंक या अंधविश्वास के स्थान पर तत्काल अस्पताल पहुंचकर 'एंटी-स्नेक वेनम' (ASV) लगवाने, सर्पदंश पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता और बचाव के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है।
संदर्भ: World Health Organization (WHO) Snakebite Envenoming Strategy;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय तथा पर्यावरण मंत्रालय द्वारा देश के तटीय क्षेत्रों में समुद्री प्लास्टिक कचरे के उन्मूलन हेतु 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' के किस चरण का राष्ट्रव्यापी आयोजन किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर 5.0 (तटीय स्वच्छता अभियान)
व्याख्या: सितंबर 2026 के तीसरे शनिवार (19 सितंबर 2026 - अंतरराष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस) के अवसर पर भारत के 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबे समुद्री तट पर 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर 5.0' अभियान का संचालन किया गया। इसके तहत देश के 75 प्रमुख समुद्र तटों (बीचेस) से एकल-उपयोग प्लास्टिक और समुद्री कचरे को हटाने हेतु विशाल जन-भागीदारी सुनिश्चित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य समुद्री पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करना, तटीय जैव-विविधता का संरक्षण करना और सतत विकास लक्ष्य 14 (SDG-14: जल के नीचे जीवन) को प्राप्त करना है।
संदर्भ: Ministry of Earth Sciences / Ministry of Environment Press Release September 2026;

प्र.3. भारतीय स्वाधीनता आंदोलन, औपनिवेशिक काल के राजनीतिक षड्यंत्रों और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित प्रसिद्ध उपन्यास 'दिव्या' (1945) के प्रगतिशील लेखक कौन हैं, जिसमें बौद्धकालीन ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का यथार्थ चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: यशपाल
व्याख्या: 'दिव्या' (1945) प्रगतिशील हिंदी कथा साहित्य के शीर्ष हस्ताक्षर यशपाल द्वारा रचित एक अत्यंत प्रसिद्ध और दार्शनिक उपन्यास है। यह उपन्यास उत्तर-मौर्य काल (बौद्ध एवं सामंती काल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक कुलीन नारी 'दिव्या' के जीवन संघर्ष, सामंती शोषण, स्त्री पराधीनता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की खोज पर केंद्रित है। यशपाल ने इसमें मार्क्सवादी और भौतिकवादी दृष्टि से वर्ग-भेद, धर्म के पाखंड और स्त्री के वस्तुकरण का तीखा विश्लेषण किया है। इस उपन्यास का संदेश है कि स्त्री की मुक्ति किसी आश्रम या दया में नहीं, बल्कि अपने श्रम और अधिकारों की चेतना में है।
संदर्भ: यशपाल — 'दिव्या', लोकभारती प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अभिव्यक्ति और माध्यम संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में मृत कार्बनिक पदार्थों (पादप अवशेष, सड़े-गले पत्ते, मृत जंतुओं) से शुरू होने वाली तथा कवक एवं जीवाणुओं द्वारा संचालित होने वाली खाद्य श्रृंखला को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: अपरद खाद्य श्रृंखला (Detritus Food Chain - DFC)
व्याख्या: पारिस्थितिक तंत्र में खाद्य श्रृंखलाएं मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं: चारण खाद्य श्रृंखला (GFC) और अपरद खाद्य श्रृंखला (DFC)। अपरद खाद्य श्रृंखला की शुरुआत मृत कार्बनिक पदार्थों (Detritus) से होती है। इस श्रृंखला के प्राथमिक उपभोक्ता 'अपघटक' या 'अपरदाहारी' (जैसे जीवाणु, कवक और केंचुए) होते हैं, जो जटिल कार्बनिक यौगिकों को पाचक एंजाइमों द्वारा सरल अकार्बनिक तत्वों में विघटित कर पोषण प्राप्त करते हैं। स्थलीय पारितंत्रों में ऊर्जा का एक बहुत बड़ा भाग चारण खाद्य श्रृंखला की तुलना में अपरद खाद्य श्रृंखला के माध्यम से ही प्रवाहित होता है, जो मृदा पोषक तत्वों के चक्रण (Nutrient Cycling) के लिए अनिवार्य है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 261–264;

प्र.5. 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन में किसकी अध्यक्षता में 'पूर्ण स्वराज' (पूर्ण स्वतंत्रता) का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया था? (इतिहास)
उत्तर: पंडित जवाहरलाल नेहरू
व्याख्या: दिसंबर 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 44वां वार्षिक अधिवेशन पंजाब के लाहौर में रावी नदी के तट पर युवा नेता पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अधिवेशन में कांग्रेस ने अपने पूर्व लक्ष्य 'औपनिवेशिक स्वराज्य' (डोमिनियन स्टेटस) को त्यागकर 'पूर्ण स्वराज' (संपूर्ण स्वाधीनता) को अपना अंतिम ध्येय घोषित किया। 31 दिसंबर 1929 की मध्यरात्रि को रावी के तट पर तिरंगा फहराया गया और प्रतिज्ञा ली गई कि 26 जनवरी 1930 को पूरे देश में प्रथम 'स्वतंत्रता दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इसी ऐतिहासिक महत्व के कारण स्वाधीन भारत के संविधान को 26 जनवरी 1950 को पूर्णतः लागू किया गया था।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 9 "राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन: 1870 के दशक से 1947 तक", p. 118–120;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के मुलताई (मुलतापी) से निकलकर पश्चिम की ओर खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में गिरने वाली प्रमुख प्रायद्वीपीय नदी कौन-सी है? (भूगोल)
उत्तर: तापी नदी (ताप्ती नदी / Tapi River)
व्याख्या: तापी (या ताप्ती) नदी प्रायद्वीपीय भारत की नर्मदा के बाद पश्चिम की ओर बहने वाली दूसरी सबसे महत्वपूर्ण नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 724 किलोमीटर है। इसका उद्गम मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में सतपुड़ा पर्वत श्रेणी के मुलताई नामक स्थान से होता है। यह सतपुड़ा और अजंता पहाड़ियों के मध्य एक समानांतर भ्रंश घाटी (Rift Valley) से होकर बहती है। इसका अपवाह बेसिन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र (विदर्भ व खानदेश) और गुजरात में विस्तृत है। गुजरात के सूरत शहर के निकट यह नदी खंभात की खाड़ी में ज्वारनदमुख (Estuary) बनाते हुए अरब सागर में विलीन हो जाती है। इस पर उकाई और काकरापार प्रमुख बहुउद्देशीय जलविद्युत परियोजनाएं निर्मित हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 21–23;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) को अपने द्वारा पूर्व में दिए गए किसी भी निर्णय या आदेश का पुनर्विलोकन (Review) करने की विशेष शक्ति प्राप्त है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 137 (निर्णयों का पुनर्विलोकन / Review Jurisdiction)
व्याख्या: भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 137' यह प्रावधान करता है कि संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि या अनुच्छेद 145 के तहत बनाए गए नियमों के अधीन रहते हुए, उच्चतम न्यायालय को अपने द्वारा सुनाए गए किसी भी निर्णय या दिए गए आदेश का पुनर्विलोकन (पुनर्विचार) करने की पूर्ण शक्ति होगी। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि न्याय प्रणाली में किसी तथ्यात्मक या विधिक भूल के कारण न्याय का हनन न हो। इस शक्ति का प्रयोग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने 'गोलकनाथ वाद' (1967) के निर्णय को आगे चलकर 'केशवानंद भारती वाद' (1973) में आंशिक रूप से संशोधित किया था।
संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 137; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 6 "न्यायपालिका", p. 132–136;

प्र.8. किसी लेंस की प्रकाश किरणों को मोड़ने (अभिसरित या अपसारित करने) की क्षमता को 'लेंस की क्षमता' (Power of Lens) कहते हैं; इसका SI मात्रक क्या है और इसे किस अक्षर से दर्शाया जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: डायोप्टर (Dioptre); अक्षर 'D'
व्याख्या: किसी लेंस द्वारा प्रकाश किरणों को मोड़ने की सामर्थ्य को उसकी 'क्षमता' (Power) कहा जाता है। यह लेंस की फोकस दूरी (f) का व्युत्क्रम होती है, अर्थात $P = 1 / f$ (जहाँ f मीटर में होना चाहिए)। लेंस की क्षमता का SI मात्रक 'डायोप्टर' (Dioptre) है, जिसे अंग्रेजी के बड़े अक्षर 'D' द्वारा व्यक्त किया जाता है। एक डायोप्टर उस लेंस की क्षमता होती है जिसकी फोकस दूरी 1 मीटर हो ($1\text{ D} = 1\text{ m}^{-1}$)। प्रकाशिकी के नियमानुसार, उत्तल लेंस (अभिसारी) की फोकस दूरी धनात्मक होने के कारण उसकी क्षमता धनात्मक (+D) होती है, जबकि अवतल लेंस (अपसारी) की क्षमता ऋणात्मक (-D) होती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 195–198;

प्र.9. 12वीं शताब्दी में कर्नाटक में बसवेश्वर (बसवन्ना) द्वारा किस सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन की शुरुआत की गई थी, जिसने जाति प्रथा का विरोध कर 'अनुभव मंटप' की स्थापना की? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: वीरशैव आंदोलन (लिंगायत आंदोलन / Lingayat Movement)
व्याख्या: वीरशैव (या लिंगायत) आंदोलन 12वीं शताब्दी में कर्नाटक में समाज सुधारक और दार्शनिक बसवेश्वर (बसवन्ना), अल्लम प्रभु और अक्क महादेवी द्वारा प्रारंभ किया गया एक क्रांतिकारी भक्ति आंदोलन था। इन्होंने तत्कालीन रूढ़िवादी हिंदू समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था, जन्म-आधारित ऊंच-नीच, ब्राह्मणवादी वर्चस्व और मूर्तिपूजा का कड़ा विरोध किया। बसवन्ना ने 'अनुभव मंटप' (आध्यात्मिक संसद) की स्थापना की, जहाँ सभी जातियों और लिंगों के लोगों को समान रूप से बैठकर दार्शनिक विचार-विमर्श करने की स्वतंत्रता थी। उनके शिष्यों द्वारा सरल कन्नड़ भाषा में रचित वचनों (वचन साहित्य) ने कन्नड़ साहित्य और सामाजिक समरसता को समृद्ध किया।
संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 8 "ईश्वर से अनुराग", p. 106–109;

प्र.10. 1934 में पटना के अंजुमन इस्लामिया हॉल में विधिवत रूप से स्थापित 'बिहार कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी' के अध्यक्ष और महासचिव क्रमशः कौन चुने गए थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: आचार्य नरेंद्र देव (अध्यक्ष) और जयप्रकाश नारायण (महासचिव)
व्याख्या: मई 1934 में पटना के अंजुमन इस्लामिया हॉल में एक विशेष सम्मेलन आयोजित कर 'बिहार कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी' की औपचारिक स्थापना की गई। इस ऐतिहासिक बैठक में आचार्य नरेंद्र देव को अध्यक्ष तथा 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण (जेपी) को महासचिव चुना गया। इसके अन्य प्रमुख संस्थापकों में रामवृक्ष बेनीपुरी, गंगाशरण सिंह, फूलन प्रसाद वर्मा और योगेंद्र शुक्ल शामिल थे। इस दल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के भीतर समाजवादी विचारों का प्रचार करना, किसानों और मजदूरों को संगठित करना तथा कांग्रेस के भीतर पूंजीवादी और सामंती तत्वों के प्रभाव को सीमित कर जन-कल्याणकारी नीतियां बनवाना था।
संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Compendium;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W3 – भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार भूकंप के झटके महसूस होने पर पक्के भवनों के भीतर जीवन रक्षा हेतु कौन-सा 3-चरणीय सुरक्षा नियम (Drop, Cover, Hold) तुरंत अपनाना चाहिए और खुले स्थान में क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: झुको, ढको और पकड़ो (Drop, Cover, Hold); खुली जगह जाएं, तारों व इमारतों से दूर रहें

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W3: भूकंप से खतरे एवं बचाव) के अनुसार, बिहार का उत्तरी भाग (विशेषकर तराई क्षेत्र) सिस्मिक ज़ोन IV और V (उच्च भूकंपीय संवेदनशीलता) में स्थित है। भूकंप आने पर भगदड़ जानलेवा सिद्ध होती है। पक्के कमरे या कक्षा के भीतर होने पर मानक सुरक्षा नियम: (1) 'झुको' (Drop) – घबराकर बाहर भागने के बजाय तुरंत घुटनों के बल जमीन पर बैठ जाएं; (2) 'ढको' (Cover) – किसी मजबूत बेंच, मेज या चौकी के नीचे घुसकर अपने सिर, गर्दन और चेहरे को सुरक्षित ढकें (यदि मेज न हो तो आंतरिक दीवार के कोने में बैठकर दोनों हाथों से सिर को ढकें); (3) 'पकड़ो' (Hold) – उस मेज के पाए को तब तक मजबूती से पकड़े रहें जब तक कि कंपन पूरी तरह रुक न जाए; (4) यदि खुले मैदान में हों तो बहुमंजिला इमारतों, बिजली के खंभों, होर्डिंग्स, ट्रांसफार्मर और बड़े पेड़ों से दूर किसी खुले स्थल पर खड़े हों; लिफ्ट का उपयोग कदापि न करें।

स्रोत: BSDMA Safe Saturday Training Module September W3 – "भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी";

प्र.12. एक व्यक्ति एक निश्चित दूरी तय करने में सामान्य चाल की 3/4 चाल से चलने पर अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से 20 मिनट की देरी से पहुँचता है। उस दूरी को सामान्य चाल से तय करने में लगने वाला वास्तविक (सामान्य) समय कितना है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 60 मिनट (1 घंटा)

व्याख्या: यह चाल और समय के प्रतिलोम संबंध (Inverse Proportion) पर आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और रोचक गणितीय प्रश्न है।

जब तय की जाने वाली दूरी समान (स्थिर) हो, तो लगने वाला समय चाल के व्युत्क्रमानुपाती होता है (समय ∝ 1/चाल)।

सामान्य चाल और नई चाल का अनुपात = 1 : (3/4) = 4 : 3।, अतः सामान्य समय और नए समय का अनुपात = 3 : 4 होगा।, माना सामान्य समय = 3x मिनट तथा नया समय = 4x मिनट है।, प्रश्नानुसार, समय का अंतर = 20 मिनट है:

4x - 3x = 20, x = 20 मिनट।, अतः सामान्य चाल से चलने पर लगने वाला वास्तविक समय = 3x = 3 * 20 = 60 मिनट

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

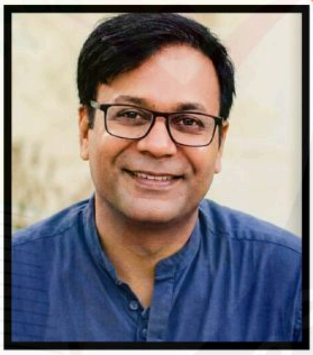

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Admonish (ऐडमॉनिश) = Reprimand (रेप्रिमैंड) = डाँटना / फटकारना / चेतावनी देना
   Antonym – Commend (कमेन्ड) = प्रशंसा करना
2. Boisterous (बॉइस्टरस) = Noisy (नॉइज़ी) = शोरगुलपूर्ण / हंगामेदार
   Antonym – Serene (सरीन) = शांत / सौम्य
3. Conspicuous (कन्स्पिक्युअस) = Noticeable (नोटिसेबल) = स्पष्ट दिखाई देने वाला / प्रमुख
   Antonym – Inconspicuous (इन्कन्स्पिक्युअस) = अदृश्य-सा / आसानी से न दिखाई देने वाला
4. Dispel (डिस्पेल) = Eliminate (इलिमिनेट) = दूर करना / मिटा देना
   Antonym – Foster (फॉस्टर) = बढ़ावा देना / प्रोत्साहित करना
5. Incessant (इन्सेसन्ट) = Continuous (कन्टिन्युअस) = निरंतर / लगातार
   Antonym – Intermittent (इन्टरमिटेन्ट) = रुक-रुक कर होने वाला

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

PM Modi to distribute 51,000+ appointment letters at 20th Rozgar Mela on September 19; recruits across Railways, Defence, Home Affairs

हिन्दी अनुवाद: PM मोदी 19 सितंबर को 20वें रोज़गार मेले में 51,000+ नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे; रेलवे, रक्षा, गृह मंत्रालय सहित विभिन्न विभागों में भर्ती।�
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 सितंबर को 20वें रोज़गार मेले में 51,000 से अधिक नए भर्ती हुए उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। ये भर्तियाँ राजस्व विभाग, रेलवे मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय सहित कई केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में हैं। यह पहल युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। UPSC/BPSC के लिए: Rozgar Mela – रोजगार मेला; Central government jobs – केंद्रीय सरकारी नौकरियाँ; SSC/Railway/IBPS – चयन आयोग।

India retains 131st rank in Global Gender Gap Index 2026; 64.5% gender parity achieved: WEF

हिन्दी अनुवाद: भारत ने वैश्विक लिंग अंतराल सूचकांक 2026 में 145 देशों में 131वाँ स्थान बरकरार रखा; 64.5% लिंग समानता हासिल: WEF।�
विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा जारी वैश्विक लिंग अंतराल सूचकांक 2026 में भारत ने 145 देशों में 131वाँ स्थान बनाए रखा है। भारत ने 64.5% लिंग समानता हासिल की है। यह रिपोर्ट स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक भागीदारी और राजनीतिक सशक्तिकरण के आधार पर तैयार की गई है। UPSC/BPSC के लिए: WEF – विश्व आर्थिक मंच; Gender Gap Index – लिंग अंतराल सूचकांक; SDG 5 – लिंग समानता।

Senior IPS officer Sanjukta Parasor appointed first woman IG of CRPF's elite CoBRA unit

हिन्दी अनुवाद: वरिष्ठ IPS अधिकारी संयुक्ता परासोर CRPF की एलीट CoBRA यूनिट की पहली महिला महानिरीक्षक (IG) नियुक्त।�
वरिष्ठ IPS अधिकारी संयुक्ता परासोर को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की एलीट कमांडो बैटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (CoBRA) यूनिट की पहली महिला महानिरीक्षक (IG) नियुक्त किया गया है। यह भारत की सुरक्षा बलों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। CoBRA यूनिट नक्सलवाद विरोधी अभियानों में विशेषज्ञता रखती है। UPSC/BPSC के लिए: CRPF – केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल; CoBRA – कमांडो बैटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन; IPS – भारतीय पुलिस सेवा।

INTERNATIONAL NEWS

Russia, China veto US resolution to extend Iran sanctions monitoring panel at UN Security Council

हिन्दी अनुवाद: रूस, चीन ने UN सुरक्षा परिषद में ईरान प्रतिबंध निगरानी पैनल के विस्तार के US प्रस्ताव को वीटो किया।�
UN सुरक्षा परिषद में रूस और चीन ने अमेरिका द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को वीटो कर दिया जो ईरान प्रतिबंध समिति के विशेषज्ञ पैनल के जनादेश को एक वर्ष के लिए बढ़ाना चाहता था। प्रस्ताव को 11 वोट मिले, 2 वीटो (रूस, चीन), और 2 देशों (पाकिस्तान, सोमालिया) ने मतदान से परहेज किया। पाकिस्तान ने कूटनीति का आह्वान किया और मतदान से परहेज किया। UPSC/BPSC के लिए: UNSC – संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद; Veto power – वीटो शक्ति (5 स्थायी सदस्यों के पास); JCPOA – 2015 का ईरान परमाणु समझौता।

US approves $24.3 billion F-35 fighter jet sale to Saudi Arabia amid Middle East tensions

हिन्दी अनुवाद: US ने मध्य पूर्व तनाव के बीच सऊदी अरब को 24.3 अरब डॉलर के F-35 फाइटर जेट बेचने को मंजूरी दी।�
अमेरिकी विदेश विभाग ने लॉकहीड मार्टिन के F-35 लाइटनिंग II जॉइंट स्ट्राइक फाइटर विमानों की सऊदी अरब को बिक्री को मंजूरी दी है। इसमें 48 विमान, 49 इंजन और अन्य उपकरण शामिल हैं। यह सौदा मध्य पूर्व में क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन को प्रभावित करेगा। UPSC/BPSC के लिए: F-35 – पाँचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर; GCC – खाड़ी सहयोग परिषद; Defense exports – रक्षा निर्यात।

Trump faces skeptical world leaders at UNGA over Iran war; says 'big decision' coming on resuming attacks

हिन्दी अनुवाद: ट्रम्प को ईरान युद्ध को लेकर UNGA में संदेहपूर्ण विश्व नेताओं का सामना; हमले फिर से शुरू करने पर 'बड़ा निर्णय' आने वाला।�
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के उच्च-स्तरीय सप्ताह में भाग लेने न्यूयॉर्क जा रहे हैं जहाँ उन्हें ईरान युद्ध को लेकर संदेहपूर्ण विश्व नेताओं का सामना करना होगा। ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान पर बड़े हमलों को फिर से शुरू करने पर 'बड़ा निर्णय' लेने वाले हैं। ईरान के नेताओं को UNGA में शामिल होने के लिए US वीजा दिए गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: UNGA – संयुक्त राष्ट्र महासभा; UNSC – संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद; Strait of Hormuz – होर्मुज़ जलडमरूमध्य।

BIHAR NEWS

Ganga, Gandak, Kosi still flowing above danger mark; flood situation improving slowly in 15 districts
हिन्दी अनुवाद: गंगा, गंडक, कोसी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं; 15 जिलों में बाढ़ की स्थिति धीरे-धीरे सुधार रही है।�
केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा, गंडक और कोसी नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, लेकिन जलस्तर में गिरावट शुरू हो गई है। लगभग 49.67 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। गंगा सहित अधिकांश नदियों में जलस्तर घटने लगा है। UPSC/BPSC के लिए: CWC — केंद्रीय जल आयोग; HFL — Highest Flood Level; flood management — बाढ़ प्रबंधन।

Bihar flood relief: ₹579.23 crore distributed to 8.27 lakh families via DBT; ₹7,000 per family
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ राहत: 8.27 लाख परिवारों को DBT के माध्यम से 579.23 करोड़ रुपये वितरित; प्रति परिवार 7,000 रुपये।
मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 15 सितंबर को 15 जिलों के 8,27,472 बाढ़ प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में सीधे 579.23 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। प्रत्येक परिवार को 7,000 रुपये की राहत सहायता मिली। यह राशि Direct Benefit Transfer (DBT) के माध्यम से वितरित की गई। UPSC/BPSC के लिए: DBT — Direct Benefit Transfer; SDMA — राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026 opens in Nagoya, Japan on September 19; India's 508-strong contingent aims for record medal haul
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026 का उद्घाटन 19 सितंबर को नागोया, जापान में; भारत का 508 सदस्यीय दल रिकॉर्ड पदक जीतने का लक्ष्य रखता है।�
20वें एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची प्रीफेक्चर और नागोया में आयोजित होंगे। भारत 37 खेलों में 508 प्रतियोगियों के साथ भाग ले रहा है — यह भारत की 20वीं उपस्थिति है। हैंगझोउ 2022 में भारत ने रिकॉर्ड 107 पदक जीते थे और चौथे स्थान पर रहा था। शूटिंग, एथलेटिक्स, क्रिकेट, बैडमिंटन और हॉकी में पदक की उम्मीदें हैं। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल, चार साल में एक बार; OCA — एशियाई ओलंपिक परिषद।

FIDE Chess Olympiad continues in Samarkand; India's teams eye gold medal defense
हिन्दी अनुवाद: FIDE चेस ओलंपियाड समरकंद में जारी; भारत की टीमों का स्वर्ण पदक रक्षा का लक्ष्य।�
2026 FIDE चेस ओलंपियाड उज़्बेकिस्तान के समरकंद में जारी है। विश्व चैंपियन D गुकेश भारत की ओपन टीम में खेल रहे हैं। भारत दोनों वर्गों (पुरुष और महिला) में स्वर्ण पदक की रक्षा करने का लक्ष्य रखता है। UPSC/BPSC के लिए: FIDE — अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ; Chess Olympiad — दो साल में एक बार आयोजित टीम प्रतियोगिता।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🌱 "इंजीनियरिंग और तकनीक से राष्ट्र का निर्माण होता है — हर समस्या का समाधान नवाचार में है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

धरती हिली तो

(सुरक्षित शनिवार विशेष)

पात्र: मैडम प्रज्ञा, अंश, रोहन, नेहा और विद्यार्थी
दृश्य: विद्यालय में सुरक्षित शनिवार की गतिविधि चल रही है।
मैडम प्रज्ञा: बच्चों, आज हम भूकंप के बारे में सीखेंगे। भूकंप अचानक आ सकता है, इसलिए पहले से तैयारी बहुत जरूरी है।
अंश: मैडम, भूकंप आए तो सबसे पहले क्या करें?
मैडम: घबराना नहीं। अगर हम घर या कमरे के अंदर हों तो नीचे झुकें, मजबूत मेज के नीचे शरण लें और उसे पकड़कर रखें। खिड़की, शीशे, अलमारी और ऐसी चीजों से दूर रहें जो गिर सकती हैं।
नेहा: अगर हम बाहर हों?
मैडम: इमारतों, पेड़ों, बिजली के खंभों और तारों से दूर किसी खुले स्थान पर चले जाएँ।
रोहन: और अगर भूकंप के समय सीढ़ियों या लिफ्ट के पास हों?
मैडम: घबराकर भागना नहीं चाहिए। लिफ्ट का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। झटके रुकने तक सुरक्षित स्थान पर रहना चाहिए और बाद में जरूरत हो तो सावधानी से बाहर निकलना चाहिए।
अंश: क्या भूकंप रुकने के बाद खतरा खत्म हो जाता है?
मैडम: जरूरी नहीं। बाद में झटके फिर आ सकते हैं। इसलिए क्षतिग्रस्त इमारत में वापस नहीं जाना चाहिए और यदि बिजली के तार टूटे दिखे तो उनके पास न जाएँ और न ही उन्हें छुएँ। तुरंत किसी बड़े व्यक्ति को इसकी जानकारी दें।"
रोहन: यानी भूकंप से बचने की सबसे बड़ी तैयारी है—पहले से सही जानकारी रखना।
मैडम: बिल्कुल। आपदा के समय सही जानकारी डर को कम करती है और सही कदम जीवन बचा सकता है।
सभी बच्चे एक साथ कहते हैं—
"घबराएँ नहीं, समझदारी दिखाएँ;
सुरक्षित रहें, दूसरों को भी बचाएँ।"
मैडम: याद रखो बच्चों, हम भूकंप को रोक नहीं सकते, लेकिन सही तैयारी और सावधानी से उसके खतरे को कम जरूर कर सकते हैं।

सीख: आपदा अचानक आती है, लेकिन सुरक्षा की तैयारी पहले से की जाती है।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: सहज | भाग-2

सोचो... समझो... हल करो...

	4		1	9				
			5			7	3	
2	8		7	3		1	9	
8	7	3	9			2		
6			3					1
4			2	6				
5	3	8						2
	9		6	1				3
1		6		5			7	9

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"खुद वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

— महात्मा गांधी

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर (बहुत छोटा)

3	4	7	1	9	6	5	2	8
9	6	1	5	2	8	7	3	4
2	8	5	7	3	4	1	9	6
8	7	3	9	4	1	2	6	5
6	5	2	3	8	7	9	4	1
4	1	9	2	6	5	3	8	7
5	3	8	4	7	9	6	1	2
7	9	4	6	1	2	8	5	3
1	2	6	8	5	3	4	7	9

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"Picture of the Day"

जकीय प्राथमिक विद्यालय झरहरवा,बगहा–2 (अति0) प0 चम्पारण

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा – 2026

आवंटित शीट कक्ष :– भगत सिंह कक्ष (कक्षा–4)

ंच लाईन संख्या :– 1			बेंच लाईन संख्या :– 2
दुसरा पंक्ति (SECOND ROW) CLASS-3	तीसरा पंक्ति (THIRD ROW) CLASS-5	चौथा पंक्ति (FORTH ROW) CLASS-4	पांचवा पंक्ति (FIFTH ROW) CLASS-3
17	24	24	
26	17		20
18	23	23	24
25	18		22
19	22	17	21
		21	23
		18 and 22	

10
8
8
26

प्रधान शिक्षक सह

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है।

चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अमर शहीद मंगल पांडे

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि जब पूरा देश विदेशी हुकूमत की ज़ंजीरों में जकड़ा हुआ था, तब वह पहला वीर सैनिक कौन था जिसने अपनी छाती तानकर सबसे पहले अंग्रेज़ हुकूमत को ललकारा था? वे थे अमर शहीद मंगल पांडे! उनकी एक ही हुंकार ने सन 1857 में अंग्रेज़ी राज की नींव हिला दी थी और पूरे देश में आज़ादी की पहली मशाल जला दी थी। इस वीर सपूत का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के नगवा गाँव के एक संस्कारी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री दिवाकर पांडे था, जो बहुत स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ व्यक्ति थे। उनकी माता का नाम श्रीमती अभयरानी देवी था, जो अत्यंत ममतामयी और ईश्वरभक्त महिला थीं। नन्हे मंगल बचपन से ही बहुत निडर, फुर्तीले और अपने आत्मसम्मान के प्रति बेहद सजग बालक थे।

गाँव के खुले खेतों में खेलते-कूदते बड़े हुए मंगल शरीर से बड़े मजबूत और कसरती थे। बड़े होकर वे ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में शामिल हुए। वे पश्चिम बंगाल के कोलकाता के पास स्थित बैरकपुर छावनी की '34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री' में सिपाही बने। मंगल पांडे अपने काम में बहुत अनुशासित और पक्के सैनिक थे। छावनी में सभी साथी सैनिक और अफसर उनके ईमानदार और शांत स्वभाव की बड़ी इज़्ज़त करते थे। लेकिन उस समय अंग्रेज़ अफसर भारतीय सिपाहियों के साथ बहुत बुरा बर्ताव करते थे और उन्हें हेय दृष्टि से देखते थे, जिससे मंगल पांडे का स्वाभिमानी मन भीतर ही भीतर बहुत आहत रहता था।

तभी अंग्रेज़ सेना में एक नई राइफल आई, जिसका नाम था 'एनफील्ड राइफल'। इस राइफल में जो कारतूस भरे जाते थे, उन पर एक चिकनी सील लगी होती थी, जिसे बंदूक में लोड करने से पहले मुँह से काटना पड़ता था। जल्द ही यह सच्चाई सामने आई कि उन कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी लगाई गई थी। गाय हिंदू सैनिकों के लिए पवित्र थी और सूअर का मांस मुस्लिम सैनिकों के लिए वर्जित था। अंग्रेज़ सरकार जानबूझकर भारतीय सैनिकों के धर्म और आस्था को चोट पहुँचाना चाहती थी। जब मंगल पांडे को यह बात पता चली, तो उनका खून खौल उठा। उन्होंने तय कर लिया कि वे किसी भी कीमत पर इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे और न ही अपनी मातृभूमि के सम्मान से समझौता करेंगे। 29 मार्च 1857 का वह ऐतिहासिक दिन था। बैरकपुर की परेड ग्राउंड में वीर मंगल पांडे ने अपनी बंदूक उठाई और खुलकर बगावत का बिगुल फूंक दिया। उन्होंने अपने साथी सिपाहियों को ललकारते हुए कहा, "भाइयों, उठो! अब अपनी आज़ादी और धर्म की रक्षा के लिए लड़ने का समय आ गया है!" जब अंग्रेज़ अफसर लेफ्टिनेंट बॉघ और मेजर ह्यूसन उन्हें पकड़ने दौड़े, तो मंगल पांडे ने अपनी पिस्तौल और तलवार से उनका डटकर मुकाबला किया और उन्हें धूल चटा दी। वे अकेले ही पूरी अंग्रेज़ टुकड़ी के सामने शेर की तरह दहाड़ते रहे।

जब वे चारों तरफ से घिर गए, तो उन्होंने सोचा कि अंग्रेज़ों के हाथों जीते-जी पकड़े जाने से बेहतर है कि मैं अपनी ही गोली से वीरगति पाऊँ। उन्होंने खुद पर गोली चलाई और गंभीर रूप से घायल हो गए। अंग्रेज़ों ने उन्हें बंदी बना लिया। वे मंगल पांडे के साहस से इतने खौफजदा थे कि तय तारीख से दस दिन पहले ही, यानी 8 अप्रैल 1857 की सुबह, बैरकपुर में उन्हें फाँसी दे दी गई। प्यारे बच्चों, मंगल पांडे की यह पावन कुर्बानी बेकार नहीं गई; उनकी जलाई हुई चिंगारी से ही 1857 का महासंग्राम भड़का। उनका जीवन हमें सिखाता है कि अपने स्वाभिमान, सच्चाई और देश के मान-सम्मान के लिए हमेशा सबसे आगे खड़े रहना चाहिए।

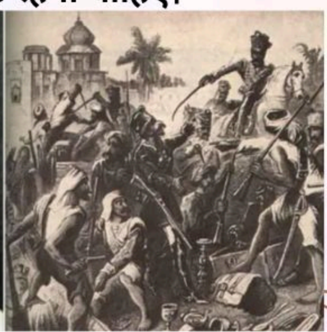

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org